13 जनवरी 2019

प्रेस विज्ञप्ति

पुस्तकों के प्रति चाहत का संदेश देते हुए पुस्तक मेला संपन्न

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत द्वारा 05 से 13 जनवरी 2019 तक प्रगति मैदान में आयोजित हुआ नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला, रविवार को सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। मेले में सुबह से ही पुस्तक प्रेमियों की भारी भीड़ देखने को मिली। पुस्तक प्रेमी अपनी पसंदीदा पुस्तकों का बैग हाथ में लेकर चलते हुए अत्यंत प्रसन्न थे वहीं अभिभावक अपने बच्चों के साथ पूरे उत्साह एवं जोश से पूर्ण नज़र आए। सभी का उत्साह देखकर ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो मेले के समाप्त होने से पूर्व वे इसका भरपूर लाभ उठा लेना चाहते हों।

वर्ष–दर–वर्ष नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले की बढ़ती ख्याति यह साबित करती है कि निसंदेह ज्ञान और अच्छे साहित्य की चाहत तथा पुस्तकों के प्रति लोगों में आकर्षण बढ़ रहा है। पुस्तकों की चाहे कितनी ही नई तकनीकें क्यों न विकसित हो जाएँ, मुद्रित पुस्तकों का रोमांच सदैव कायम रहेगा।

इस वर्ष मेले में 'दिव्यांगजनों की पठन आवश्यकताओं' को प्रदर्शित करता हुआ विशेष रूप से निर्मित थीम मंडप दर्शकों के विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। मेले के दौरान थीम मंडप पर आयोजित हुए कार्यक्रमों एवं गतिविधियों के माध्यम से पाठकों ने थीम के विषय से संबंधित विभिन्न उपयोगी जानकारियाँ प्राप्त कीं। मेले में आने वाले लोगों ने इस वर्ष मेले की थीम 'दिव्यांगजनों की पठन आवश्यकताएँ' को अत्यधिक सराहा।

जहाँ एक ओर पुस्तक मेला बच्चों के लिए कुछ खास था वहीं दूसरी ओर युवाओं सहित सभी आयु–वर्गों के पाठकों की उत्साहपूर्वक भागीदारी देखने को मिली। इस भव्य पुस्तक मेले की सफलता का अंदाज़ा इस बात से ही लगाया जा सकता है कि इस बार नौ लाख से अधिक लोग पुस्तक मेले में आए।

पुस्तक मेले में देश–विदेश से आए पुस्तक प्रेमियों, लेखकों, साहित्यकारों, प्रकाशकों तथा पाठकों ने भाग लिया और विभिन्न देशों के साहित्य एवं संस्कृति से रूबरू होने का सुनहरा अवसर प्राप्त किया।

थीम मंडप

इस मंडप पर आज 'ध्येय को साध्य कैसे करें?' विषय पर संगोष्ठी आयोजित हुई। श्री भूषण तोशनीवाल (पुणे, युवा रोल मॉडल), श्री नीलकांत पोमन (पिम्परी चिंचवाड़ स्मार्ट सिटी लिमिटेड के संयुक्त सी.इ.ओ.), सुश्री सुवर्णा राज (पैरा एथलीट), और टी. डी.

धारियाल (कमिश्नर और दिव्यांगों के कार्यकर्ता) उपस्थित थे। इस परिचर्चा का आरम्भ श्री भूषण तोशनीवाल ने स्वरचित कविता से किया।

इसी मंडप पर *टचविज़न* द्वारा एक स्टॉल लगाया गया। *टचविज़न* डिजिटल प्रारूप में समावेशी समझ का विकास करना चाहते हैं। *टचविज़न* द्वारा दृष्टिबाधित पाठकों हेतु किफायती मूल्यों पर ऑडियो टैक्टाइल पुस्तकें उपलब्ध करवाई जाती हैं।

बाल गतिविधियाँ

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा बच्चों के मंडप में कार्यक्रमों की शुरुआत पंजाबी इस्लामिया स्कूल के छात्रों द्वारा 'बालिका शिक्षा के महत्व' पर प्रस्तुत किए गए एक नाटक से हुई। इसके अतिरिक्त चेतना भारत से आए बच्चों द्वारा 'प्रदूषण' विषय पर एक नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। इस नाटक में बच्चों ने प्रदूषण के विभिन्न प्रकारों को दर्शाया। यहाँ जम्मू–कश्मीर कला संस्कृति और भाषा अकादमी द्वारा बच्चों के लिए एक कहानी–सत्र का आयोजन किया। कार्यक्रम में डॉ गौरी शंकर रैना और डॉ. उषा खेर ने कश्मीर की सुंदरता के बारे में बच्चों को बताया। वक्ताओं ने कश्मीरी भाषा में भी कुछ कविताओं को पढ़ा और बच्चों को कविताओं का अर्थ समझाया। कार्यक्रम का समापन नवरतन फाउंडेशन के बच्चों द्वारा एक अद्भुत कथक नृत्य से हुआ।

साहित्यिक गतिविधियाँ

आज लेखक मंच पर 'हिमाचल भाषा अकादमी, शिमला' द्वारा 'समकालीन साहित्य के विविध आयाम' विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें केंद्रीय विश्वविद्यालय, कांगड़ा के कुलपति – डॉ. कुलदीप चंद अग्निहोत्री मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. पूरनचंद टंडन की अध्यक्षता में डॉ. कर्म सिंह, डॉ. इंद्र सिंह, डॉ. हेमराज कौशिक, रूपेश्वरी शर्मा, वीरेंद्र शर्मा, पोमिला ठाकुर आदि ने समकालीन साहित्य के विभिन्न आयामों पर चर्चा करते हुए हिमाचली संस्कृति के अनेक आयामों को प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम का संचालन डॉ. ओम प्रकाश शर्मा द्वारा किया गया।

भारतीय ज्ञानपीठ द्वारा 'नई प्रकाशित पुस्तकों पर चर्चा' का आयेजन किया गया जिसमें भारतीय ज्ञानपीठ की सराहना करते हुए प्रो. इच्छाराम द्विवेदी ने कहा कि विश्व के कोने–कोने तक भारतीय संस्कृति को पहुँचाने में भारतीय ज्ञानपीठ की महत्वपूर्ण भूमिका है। साथ ही, अन्य वक्ताओं के रूप में प्रो. मदनमोहन अग्रवाल, प्रो. जयकुमार उपाध्याय और डॉ. जय कृष्णनन शामिल थे। इस अवसर पर भारतीय ज्ञानपीठ से प्रकाशित अनेक पुस्तकों का लोकार्पण भी किया गया जिनमें *'जैन धर्म परिचय'* तथा *'संस्कृत काव्य के विकास में जैन कवियों का योगदान'* शामिल हैं।